CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

□ वर्ष- 29 □ अंक- 296 □ रायपुर, शनिवार 21 नवम्बर 2026 □ पृष्ठ-8 □ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

छत्तीसगढ़ में तीसरे दिन अकवान का असर

बेमौसम बरसात से किसानों की फसलें बर्बाद

रायपुर जिले समेत कई अन्य जिलों में ठंडक और बारिश



रायपुर, 21 नवम्बर (हाईवे चैनल)। चक्रवाती तूफान अकवान के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में मौसम लगातार तीसरे दिन बदला हुआ है। आज सुबह से रायपुर जिसे समेत प्रदेश के कई इलाकों में बारिश हो रही है। रायपुर में दिन का तापमान सामान्य से 9 डिग्री नीचे गिरने से ठंड बढ़ गई है। आज राजधानी का अधिकतम तापमान 25 डिग्री और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। बारिश और बादलों के चलते मौसम में ठंडक बनी रह सकती है। उत्तरी छत्तीसगढ़ में अगले दो दिनों तक बादल छाए रहने और बारिश की संभावना है। केशकाल में घनी धुंध के कारण दृश्यता कम हो गई है, जबकि पेंड्रा में सुबह से बूंदाबांदी जारी है। मौसम के इस बदलाव से लोगों को अचानक ठंड का एहसास होने लगा है।

प्रदेश के कई इलाकों में सुबह से मौसम खराब बना हुआ है। पेंड्रा में सुबह से हल्की बूंदाबांदी हो रही है, जबकि केशकाल में बारिश के साथ घनी धुंध छाई हुई है। धुंध के कारण सड़क पर दृश्यता काफी कम हो गई है। वाहन चालकों को दिन में भी हेडलाइट जलाकर सफर करना पड़ रहा है, जिससे सड़क हादसों का खतरा बढ़ गया है। शुक्रवार को हुई बारिश के बाद राजधानी रायपुर के तापमान में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। यहां अधिकतम तापमान 21 डिग्री और न्यूनतम तापमान 18.3 डिग्री सेल्सियस रहा। दिन का पारा सामान्य से 9 डिग्री नीचे दर्ज किया गया। शहर में दिनभर बादल छाए रहे और कुल 11.2 मिमी बारिश हुई। ठंड बढ़ने से रात में कई इलाकों में लोग अलाव तापते नजर आए।

प्रदेश में तापमान के उतार-चढ़ाव के बीच अंबिकापुर सबसे गर्म स्थान रहा, जहां अधिकतम तापमान 25.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, पेंड्रा रोड में रात का तापमान 12.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो प्रदेश में सबसे कम रहा। मौसम के अलग-अलग मिजाज के कारण कई जिलों में तापमान में अंतर देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तरी छत्तीसगढ़ में अगले दो दिनों तक बादल छाए रहने और बारिश की संभावना बनी हुई है।

किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं सर्वे के बाद मिलेगा मुआवजा : साय



चक्रवाती तूफान अकवान के चलते आज सुबह से ही छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर समेत कई इलाकों में बारिश हो रही है। इस चक्रवात से फसलों को नुकसान की आशंका के बीच मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किसानों को राहत का भरोसा दिलाया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। राज्य सरकार फसल नुकसान की स्थिति में प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी।

मुख्यमंत्री साय ने बताया कि चक्रवात से फसलों को होने वाले संभावित नुकसान का आकलन करने के लिए सभी जिलों के कलेक्टरों को निर्देशित किया गया है। यदि तूफान के कारण फसलों को क्षति पहुंचती है तो संबंधित क्षेत्रों में सर्वे कराया जाएगा। इसके आधार पर प्रभावित किसानों को फसल बीमा और मुआवजा संबंधी प्रावधानों के तहत राहत उपलब्ध कराई जाएगी। श्री साय ने कहा कि इससे पहले भी चक्रवात के कारण प्रदेश में फसलों को नुकसान पहुंचा था। उस दौरान भी सरकार ने नुकसान का आकलन कर प्रभावित किसानों को सहायता प्रदान की थी। इस बार भी फसल क्षति का आकलन कराया जाएगा और नियमानुसार किसानों को मुआवजा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री के इस आश्वासन से चक्रवात के संभावित असर को लेकर चिंतित किसानों को राहत मिलने की उम्मीद है।

चक्रवात से 50 फीसदी धान खराब, उचित मुआवजा देने किसानों की मांग: चक्रवाती तूफान अर्णव के बाद अब अकवान तूफान के असर से छत्तीसगढ़ में हो रही बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। धान कटाई के बाद छंटाई की प्रक्रिया के बीच बारिश होने से किसानों का काटकर रखा धान भीग गया है। किसान धान को सुखाने और उसकी छंटाई में जुटे थे, लेकिन अचानक मौसम ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया। किसानों का कहना है कि बारिश के चलते करीब 50 प्रतिशत धान खराब हो चुका है। लगातार मौसम की मार से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। फसल तैयार होने और कटाई के बाद उसे सुरक्षित रखने के समय बारिश होने से किसानों की परेशानी और बढ़ गई है।

भारतीय किसान यूनियन टिकैत ने सीएम साय को लिखा पत्र, कर्जमाफी और मुआवजे की उठाई मांग

छत्तीसगढ़ में चक्रवाती तूफानों के असर से हुई बेमौसम बारिश ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी है. इस बीच भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने प्रभावित किसानों के लिए संपूर्ण कर्जमाफी और आर्थिक सहायता की मांग उठाई है. संगठन के प्रदेश अध्यक्ष तेजराम विद्रोही ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को ईमेल के जरिए पत्र भेजकर मांग की है कि फसल नुकसान झेल रहे किसानों को आरबीएस 6-4 और फसल बीमा का लाभ देने के साथ कर्जमाफी का आदेश जारी किया जाए. भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष तेजराम विद्रोही ने पत्र में कहा कि पहले अर्णब तूफान, फिर मुरासु और अब अकवान चक्रवात के कारण हुई बारिश से किसानों का फसल जिसकी कटाई शुरू हो चुकी थी, जिनका करपा खेतों में पड़ा है, धान की दाने खलिहान में है और खड़ी फसल जमीन पर लोटकर सड़कर बर्बाद हो गया है।

विद्रोही ने कहा कि हालांकि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी ने अपने बयान में कहा है कि चक्रवात से प्रभावित किसानों को हरसम्भव सहायता उपलब्ध कराएगी, लेकिन पिछले दो चक्रवातों से हुई फसल नुकसान का अभी तक रिपोर्ट नहीं आया है और न ही बीमा कम्पनियां किसानों के खेतों का निरीक्षण करने गया है. हम मांग करते हैं कि किसानों की सम्पूर्ण कर्जमाफ़ी की घोषणा कर आदेश जारी करें. साथ ही प्रभावित किसान परिवार की भरण पोषण के लिए आर बी सी 6-4 और बीमा का लाभ प्रदान करें।

सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता

जंगल में मिला 3 किलो का प्रेशर कुकर आईईडी, बीडीएस ने किया डिफ्यूज



कांकेर, 21 नवम्बर (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में सुरक्षा बलों को नक्सल विरोधी अभियान के दौरान बड़ी सफलता मिली है। सर्चिंग अभियान के दौरान जंगल-पहाड़ी क्षेत्र से करीब 3 किलो वजनी प्रेशर कुकर आईईडी बरामद किया गया। सुरक्षा बलों की सतर्कता से एक संभावित बड़ा खतरा टल गया।

जानकारी के अनुसार, छोटेबेठिया थाना क्षेत्र के ग्राम मोरखंडी और हिंदुर के बीच जंगल-पहाड़ी इलाके में जिला पुलिस, बीएसएफ और बीडीएस की संयुक्त टीम सर्चिंग अभियान पर निकली थी। इसी दौरान टीम को संदिग्ध प्रेशर कुकर आईईडी मिला। जांच में इसका वजन करीब 3 किलो पाया गया। आईईडी बरामद होने के बाद बीडीएस (बम निरोधक दस्ता) की टीम ने मौके पर पहुंचकर सुरक्षा मानकों के तहत उसे सुरक्षित तरीके से डिफ्यूज कर नष्ट कर दिया। सुरक्षा बलों की तत्परता और सतर्कता से नक्सलियों की संभावित साजिश विफल हो गई। फिलहाल इलाके में सुरक्षा बलों द्वारा सर्चिंग अभियान जारी है।

रिकॉर्ड हाई से सोना 70 हजार रुपए चांदी 2.70 लाख रुपए हुई सस्ती

नई दिल्ली, 21 नवम्बर (न्यूज चैनल)। भारत में वेंडिंग सीजन की शुरुआत के साथ ही bullion market और commodity market में सोना और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। 16 से 20 नवंबर के बीच आईबीजेए के आंकड़ों के मुताबिक सोना करीब 11 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी करीब 20 हजार रुपये प्रति किलो तक सस्ती हुई है। जनवरी के रिकॉर्ड स्तर से देखें तो सोना लगभग 70 हजार रुपये और चांदी 2.70 लाख रुपये तक नीचे आ चुकी है। 24 कैरेट सोना 16 नवंबर को 1,34,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर से फिसलकर 1,23,584 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। 22 कैरेट सोना 1,13,203 रुपये और 18 कैरेट सोना 92,688 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। चांदी की बात करें तो 16 नवंबर को एक किलो चांदी 1,69,280 रुपये की थी, जो घटकर 1,50,650 रुपये प्रति किलो रह गई। ग्लोबल बाजार में भी दबाव दिख रहा है, जहां सोना करीब 3,799.80 डॉलर प्रति औंस और चांदी करीब 46 डॉलर के आसपास कारोबार कर रही है।

आईबीजेए के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, 24 कैरेट सोना 16 नवंबर के बाद करीब 11,000 रुपए से गिरकर 1,23,584 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है, जबकि 22 कैरेट सोना का भाव 1,13,203 रुपए और 18 कैरेट सोना का भाव 92,688 रुपए प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया है।

ब्रेकिंग न्यूज

बस के आगे शख्स को लटका 15 किमी दौड़ाई- बचाने के लिए कार से पीछा करता रहा बेटा

नई दिल्ली, 21 नवम्बर (न्यूज चैनल)। कहासुनी होने पर बस के आगे वाले हिस्से के पायदान पर शीशा साफ करने के लिए लगे पायदान पर लटके व्यक्ति को 15 किलोमीटर दूर तक चालक ले गया। वहां पर व्यक्ति का नियंत्रण बिगड़ा और वह गिर गए। व्यक्ति को गिरने के बाद भी चालक ने बस को रोका नहीं। बस को उसके ऊपर चढ़ा दिया और उनकी उपचार के दौरान मौत हो गई। इस दौरान पिता के पीछे-पीछे बेटा भी अपनी गाड़ी से बस को रोकने के लिए प्रयास कर रहा था। मृतक की पहचान मानेसर गांव निवासी कृष्ण कुमार के रूप में हुई है। बेटे की शिकायत पर मानेसर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तनुष कुमार यादव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बुधवार की सुबह करीब साढ़े पांच बजे उनके पिता कृष्ण कुमार घर से मानेसर बस स्टैंड के लिए निकले थे। कुछ देर बाद पिता का फोन मां गीता देवी के पास आया। उन्होंने बताया कि बस स्टैंड पर एक बस चालक से उनकी कहासुनी हो रही है। यह सुनकर वह तुरंत ही बस स्टैंड पहुंचे गए। वहां राजस्थान नंबर की बस खड़ी थी और चालक व परिचालक उनके पिता से तीखी बहस कर रहे थे।



लॉरेंस के करीबी गोल्डी पर यूएस ने कसा शिकंजा: एफबीआई ने घोषित किया मोस्ट वांटेड भगोड़ा, रखा 9 करोड़ का इनाम

नई दिल्ली, 21 नवम्बर (न्यूज चैनल)। गैंगस्टर गोल्डी बराड़ की तलाश में अमेरिका और कनाडा की जांच एजेंसियों ने शिकंजा कस दिया है। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआ ने उसे अपनी टॉप 10 मोस्ट वांटेड भगोड़े की सूची में शामिल किया है। वहीं, कनाडा ने भी हाल ही में उसे देश के 25 सबसे वांछित भगोड़ों की सूची में शीर्ष स्थान पर रखा है। एफबीआई ने गोल्डी बराड़ की सूचना देने वाले को 10 लाख अमेरिकी डॉलर (9.26 करोड़ रुपये) तक का इनाम देने की घोषणा की है। वहीं, कनाडा में उसकी गिरफ्तारी से जुड़ी जानकारी देने पर 2.5 लाख कनाडाई डॉलर तक का इनाम घोषित किया गया है। एफबीआई ने 28 सितंबर 2026 को सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ को अपनी मोस्ट वांटेड सूची में शामिल किया था। वह इस सूची में शामिल होने वाला 543वां भगोड़ा है। अमेरिकी एजेंसी के मुताबिक, बराड़ लॉरेंस बिश्नोई संगठित अपराध गिरोह का उत्तरी अमेरिका में कथित प्रमुख है। इस गिरोह पर अमेरिका और कनाडा में कई हिंसक अपराधों में शामिल होने के आरोप हैं। एफबीआई के अनुसार, इन अपराधों में राजनीतिक और धार्मिक हस्तियों की लक्षित हत्याएं, गोलीबारी, हत्या, अपहरण, जबरन वसूली, हमले और मादक पदार्थों व हथियारों की तस्करी शामिल हैं। अमेरिकी एजेंसी ने बराड़ को बेहद खतरनाक और हथियारबंद बताया है।



एफबीआई के मुताबिक, गोल्डी बराड़ के खिलाफ अमेरिका की संघीय अदालत में कई गंभीर आरोप दर्ज हैं। इनमें संगठित अपराध गिरोह चलाने की साजिश, जबरन वसूली के लिए साजिश और मादक पदार्थों के वितरण की साजिश शामिल है। अमेरिकी जांच एजेंसी ने बताया कि सात जुलाई 2026 को ऑपरेशन हार्डबॉल के तहत तीन अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध गिरोहों से जुड़े 37 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए गए थे। इनमें लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ से जुड़े गिरोह के सदस्य भी शामिल हैं। एफबीआई के अनुसार, बिश्नोई गिरोह का नेटवर्क कई देशों में फैला हुआ है। इस गिरोह पर अमेरिका में भी हिंसक गतिविधियों, जबरन वसूली और मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल होने के आरोप हैं।

बार अभ्यारण्य में फिर काले हिरण की मौत, वजह अब भी अनसुलझी, शरीर पर नहीं दिखा चोट के निशान

बलौदाबाजार, 21 नवम्बर (हाईवे चैनल)। बलौदाबाजार जिले के बार अभ्यारण्य में काले हिरणों की मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार सुबह एक और नर काला हिरण मृत पाया गया। हैरानी की बात यह है कि हिरण के शरीर पर बाहरी चोट के स्पष्ट निशान नहीं मिले हैं, जिससे मौत की वजह अब भी अनसुलझी बनी हुई है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आ सकेगी।

मिली जानकारी के मुताबिक, अभ्यारण्य के रामपुर क्षेत्र स्थित वन कक्ष क्रमांक 127 में शुक्रवार सुबह हिरण का शव मिला। सूचना मिलने पर बार रेंजर रूपेश्वरी दीवान वन अमले के साथ मौके पर पहुंचीं। घटना की जानकारी मिलने के बाद



अभयारण्य अधीक्षक कृष्णानु चंद्राकर भी घटनास्थल पहुंचे और मामले की जांच शुरू की।

वन्यप्राणी विशेषज्ञों के प्रारंभिक आकलन के अनुसार, हिरण का शव खेत की ऊंची मेड़ से लगभग डेढ़ मीटर नीचे मिला है। शरीर पर बाहरी चोट के स्पष्ट निशान नहीं पाए गए हैं। वन्यप्राणी विशेषज्ञों के प्रारंभिक आकलन के अनुसार, हिरण का शव खेत की ऊंची मेड़ से लगभग डेढ़ मीटर नीचे मिला है। शरीर पर बाहरी चोट के स्पष्ट निशान नहीं पाए गए हैं। ऐसे में दो नर हिरणों के बीच आपसी संघर्ष के दौरान सींग लगने से गर्दन में आंतरिक चोट आने अथवा ऊंची मेड़ से नीचे गिरने के कारण चोट लगने जैसी संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है। अभयारण्य अधीक्षक कृष्णानु चंद्राकर ने बताया कि प्रथम दृष्टया हिरण की मौत कुत्तों के हमले से होने के संकेत नहीं मिले हैं। हालांकि, मौत के वास्तविक कारण की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी।

बिरादरी की बात

चूहा- सुनती हो, भूपेश बघेल कह रहें हैं कि सरकार प्रदेश को नशे में डूबो रही है..!
चुहिया- हां जी, लेकिन वो तो खुद मुख्यमंत्री रहते हुए नशाबंदी नहीं कर पाए..!

पीएम स्वनिधि योजना में छत्तीसगढ़ को मिले पांच राष्ट्रीय पुरस्कार, फास्टेस्ट मूवर्स श्रेणी में देश में पहला स्थान

राज्य स्तरीय इनोवेशन एंड बेस्ट प्रैक्टिसेज श्रेणी में छत्तीसगढ़ को दूसरा स्थान, उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने ग्रहण किए पुरस्कार

रायपुर, 21 नवम्बर (हाईवे चैनल)। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और पथ विक्रेताओं के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में उत्कृष्ट कार्यों के लिए छत्तीसगढ़ ने राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित स्वनिधि सम्मान अवार्ड्स- 2026 में छत्तीसगढ़ को पांच राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। राज्य ने फास्टेस्ट मूवर्स श्रेणी में देश में प्रथम और इनोवेशन एंड बेस्ट प्रैक्टिसेज श्रेणी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन तथा विकास मंत्री अरुण साव ने राज्य स्तरीय दोनों राष्ट्रीय पुरस्कार ग्रहण किए। समारोह में प्रदेश के तीन नगरीय निकायों बिलासपुर, बड़े बचेली और दंतेवाड़ा को भी राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया स समारोह में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल तथा केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू भी उपस्थित रहे।

पुरस्कार ग्रहण करने के दौरान नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास निलेश महादेवरसागर तथा राज्य शहरी विकास अभिकरण के उप मुख्य कार्यपालन अधिकारी (मिशन) सुनील अग्रहरी भी उपस्थित रहे। स्वनिधि सम्मान अवार्ड्स - 2026 के अंतर्गत



डिजिटल अडॉप्शन श्रेणी में बड़े बचेली को प्रथम, दंतेवाड़ा और बिलासपुर को द्वितीय स्थान

डिजिटल अडॉप्शन श्रेणी में छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। एक लाख से कम जनसंख्या वाले नगरीय निकायों की श्रेणी में नगर पालिका परिषद बड़े बचेली ने देश में प्रथम और नगर पालिका परिषद दंतेवाड़ा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, एक लाख से 10 लाख जनसंख्या वाले नगरीय निकायों की श्रेणी में नगर पालिक निगम बिलासपुर को राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि पथ विक्रेताओं को डिजिटल लेनदेन से जोड़ने, संस्थागत ऋण सुविधा उपलब्ध कराने और उनकी आजीविका को सुदृढ़ बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को रेखांकित करती है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संचालित पीएम स्वनिधि योजना छोटे व्यवसायियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। छत्तीसगढ़ को पांच राष्ट्रीय पुरस्कार मिलना पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। विशेष रूप से फास्टेस्ट मूवर्स श्रेणी में देश में प्रथम स्थान और इनोवेशन एंड बेस्ट प्रैक्टिसेज श्रेणी में द्वितीय स्थान प्राप्त करना राज्य में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और नवाचारों का परिणाम है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ को राज्य स्तर पर दो राष्ट्रीय पुरस्कार तथा बिलासपुर, बड़े बचेली और दंतेवाड़ा को डिजिटल अडॉप्शन श्रेणी में राष्ट्रीय सम्मान मिलना नगरीय निकायों की बेहतर कार्यप्रणाली और समर्पित प्रयासों का परिणाम है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के माध्यम से पथ विक्रेताओं को संस्थागत ऋण, डिजिटल लेनदेन और स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि नगरीय निकायों को पथ विक्रेताओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए और अधिक प्रतिबद्धता से कार्य करने की प्रेरणा देगी। इस अवसर पर नगर पालिक निगम बिलासपुर की महापौर श्रीमती पूजा विधानी एवं आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे, नगर पालिका परिषद दंतेवाड़ा की अध्यक्ष श्रीमती पायल गुप्ता एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी अरुण कुमार ध्रुव तथा नगर पालिका परिषद बड़े बचेली के अध्यक्ष राजू जायसवाल एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी पी.टी.एम. कृष्णा राव भी उपस्थित रहे।

CMYK